चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	14-1-26	4	5-8

किसानों तक नवीनतम तकनीकें पहुंचाने के लिए हकृवि ने बाजरे की एचएचबी-299 के लिए कंपनी से किया एमओयू

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद अब कंपनी विवि को लाइसेंस की फीस अदा करेगी

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किए जा रहे उन्नत किस्मों के बीज देश एवं प्रदेश के किसानों तक उपलब्ध करवाने के लिए शक्ति वर्धक हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ नॉन एक्सक्लूसिव लाइसेंस एग्रीमेंट किया है।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया शोध कार्यों और नवीनतम तकनीकों को अविलंब किसानों तक पहुंचाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्म एचएचबी-299 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी। समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग और कंपनी की ओर से सहायक निदेशक रजत आर्य ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, डॉ. विनोद मलिक, बौद्धिक संपदा अधिकार इकाई के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुंजाल, डॉ. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. अनुराग, डॉ. हर्षदीप और कंपनी के प्रतिनिधि डॉ. राज बहादुर व डॉ. परमजीत मौजूद रहे।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद कुलपति व कंपनी के अधिकारी।

भास्कर इनसाइट

एचएचबी-299 है रोगरोधी किस्म, 80-82 दिन में होती है तैयार

डॉ. अनिल यादव ने बताया बाजरे की एचएचबी-299 से अन्य किस्मों के मुकाबले अधिक पैदावार मिलती है। यह रोग-रोधी और अधिक लोह युक्त 73 पीपीएम संकर किस्म है। इसके सिट्टे शंक्वाकार व मध्यम लंबे होते हैं। एचएचबी 299 किस्म 80-82 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। बेहतर देखभाल करने पर 49.0 मण प्रति एकड़ पैदावार देने की क्षमता रखती है। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस की फीस अदा करेगी जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	14-1-26	4	1-4

एचएचबी-299 बाजरा बीज के लिए कंपनी से समझौता

जागरण संवाददाता • हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किए जा रहे उन्नत किस्मों के बीज देश एवं प्रदेश के किसानों तक उपलब्ध करवाने के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए शक्ति वर्धक हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ नान एक्सक्लूसिव लाइसेंस एग्रीमेंट किया है।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध किसानों तक पहुंचाना विश्वविद्यालय की पहली प्राथमिकता है। शोध कार्यों और नवीनतम तकनीकों को अविलंब किसानों तक पहुंचाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्म एचएचबी-299 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि किसानों को इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सके और उनकी पैदावार में बढ़ोतरी हो सके।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज, कंपनी के अधिकारी व अन्य • जागरण

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में शक्ति वर्धक हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग तथा कंपनी की ओर से सहायक निदेशक रजत आर्य ने हस्ताक्षर किए।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस की फीस अदा करेगी जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा इसके बाद किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज उपलब्ध हो सकेगा। इस अवसर पर कुलसचिव डा. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. रमेश कुमार, बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डा. अनिल यादव, डा. विनोद मलिक, बौद्धिक संपदा अधिकार इकाई के प्रभारी डा. योगेश जिंदल, डा. रेणू मुंजाल, डा. जितेन्द्र भाटिया, डा. अनुराग, डा. हर्षदीप तथा कंपनी के प्रतिनिधि डा. राज बहादुर व डा. परमजीत मौजूद रहे। एचएचबी-299 की खासियत : उपरोक्त किस्म से अन्य किस्मों के मुकाबले अधिक पैदावार मिलती है। यह रोग-रोधी और अधिक लौह युक्त (73 पीपीएम) संकर किस्म है। इसके सिट्टे शंक्वाकार व मध्यम लंबे होते हैं।

एचएचबी 299 किस्म 80-82 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। बेहतर देखभाल करने पर 49 मन प्रति एकड़ पैदावार देने की क्षमता रखती है। यह किस्म जोगिया रोग रोधी भी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	14.1.26	12	2-6

बेहतर देखभाल करने पर 49 मण प्रति एकड़ पैदावार देने की क्षमता

हकृवि ने बाजरा की एचएचबी-299 के लिए प्राइवेट कंपनी से किया समझौता

शोध किसानों तक पहुंचाना विश्वविद्यालय की पहली प्राथमिकता: प्रो. काम्बोज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज, कंपनी के अधिकारी व विश्वविद्यालय के अधिकारी।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किए जा रहे उन्नत किस्मों के बीज देश एवं प्रदेश के किसानों तक उपलब्ध करवाने के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए शक्ति वर्धक हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ नॉन एक्सक्लूसिव लाइसेंस एग्रीमेंट किया है।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध किसानों तक पहुंचाना विश्वविद्यालय की पहली प्राथमिकता है। शोध कार्यों और नवीनतम तकनीकों को अविलंब किसानों तक पहुंचाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं। समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्म एचएचबी-299 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि किसानों को इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सके और उनकी पैदावार में बढ़ोतरी हो सके।

इस कम्पनी के साथ हुआ समझौता

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में शक्ति वर्धक हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग तथा कंपनी की ओर से सहायक निदेशक रजत आर्य ने हस्ताक्षर किए।

विवि के साथ किसानों को भी होगा फायदा

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस की फीस अदा करेगी जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा इसके बाद किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज उपलब्ध हो सकेगा।

एचएचबी-299 की खासियत

उपरोक्त किस्म से अन्य किस्मों के मुकाबले अधिक पैदावार मिलती है। यह रोग-रोधी और अधिक लौह युक्त (73 पीपीएम) संकर किस्म है। इसके सिट्टे शंक्वाकार व मध्यम लंबे होते हैं। एचएचबी 299 किस्म 80-82 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। बेहतर देखभाल करने पर 49.0 मण प्रति एकड़ पैदावार देने की क्षमता रखती है। यह किस्म जोगिया रोग रोधी भी है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव, डॉ. विनोद मलिक, बौद्धिक संपदा अधिकार इकाई के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुंजाल, डॉ. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. अनुराग, डॉ. हर्षदीप तथा कंपनी के प्रतिनिधि डॉ. राज बहादुर व डॉ. परमजीत मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	14-1-26	5	6-8

हकृवि ने बाजरे की एचएचबी 299 के लिए किया समझौता

हस्ताक्षर के दौरान वीसी बीआर कांबोज और कंपनी अधिकारी। स्रोत : संस्थान

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत शक्तिवर्धक हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ नॉन एक्सक्लूसिव लाइसेंस एग्रीमेंट किया है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि शोध कार्यों और नवीनतम तकनीकों को अविलंब किसानों तक पहुंचाने के लिए एमओयू किया है, जिसमें एचएयू की बाजरे की उन्नत किस्म एचएचबी-299 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस की फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इसके बाद किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज उपलब्ध हो सकेगा। उपरोक्त किस्म से अन्य किस्मों के मुकाबले अधिक पैदावार मिलती है। यह रोग-रोधी और अधिक लौह युक्त (73 पीपीएम) संकर किस्म है।

एचएचबी 299 किस्म 80-82 दिनों में पक कर तैयार हो जाती है। बेहतर देखभाल करने पर 49.0 मन प्रति एकड़ पैदावार देने की क्षमता रखती है। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार और डॉ.अनिल यादव मौजूद रहे। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	14-1-26		

हकृवि ने बाजरा की एचएचबी-299 के लिए प्राइवेट सैक्टर की कम्पनी के साथ किया समझौता

हिसार, 13 जनवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किए जा रहे उन्नत किस्मों के बीज देश एवं प्रदेश के किसानों तक उपलब्ध करवाने के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए शक्ति वर्धक हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ नॉन एक्सक्लूसिव लाइसेंस एग्रीमेंट किया है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध किसानों तक पहुंचाना विश्वविद्यालय की पहली प्राथमिकता है। शोध कार्यों और नवीनतम तकनीकों को अविलंब किसानों तक पहुंचाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्म एचएचबी-299 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि किसानों को इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सके और उनकी पैदावार में बढ़ोतरी हो सके।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज, अधिकारी व विश्वविद्यालय के अधिकारी।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में शक्ति वर्धक हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग तथा कंपनी की ओर से सहायक निदेशक रजत आर्य ने हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस की फीस अदा करेगी जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा इसके बाद किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज उपलब्ध हो सकेगा। उपरोक्त किस्म से अन्य किस्मों के मुकाबले अधिक पैदावार मिलती है। यह रोग-रोधी और अधिक लौह युक्त (73 पीपीएम) संकर किस्म है। इसके सिट्टे शंक्वाकार व मध्यम लंबे होते हैं। एचएचबी 299 किस्म 80-82 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। बेहतर देखभाल करने पर 49.0 मन प्रति एकड़ पैदावार देने की क्षमता रखती है। यह किस्म जोगिया रोग रोधी भी है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव, डॉ. विनोद मलिक, बौद्धिक संपदा अधिकार इकाई के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुंजाल, डॉ. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. अनुराग, डॉ. हर्षदीप तथा कंपनी के प्रतिनिधि डॉ. राज बहादुर व डॉ. परमजीत मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	13.1.2026	--	--

हकृवि ने बाजरा की एचएचबी-299 के लिए प्राइवेट सेक्टर की कंपनी के साथ किया समझौता

हिसार 13 जनवरी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किए जा रहे उन्नत किस्मों के बीज देश एवं प्रदेश के किसानों तक उपलब्ध करवाने के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए शक्ति वर्धक हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ नॉन एक्सक्लूसिव लाइसेंस एग्रीमेंट किया है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध किसानों तक पहुंचाना विश्वविद्यालय की पहली प्राथमिकता है। शोध कार्यों और नवीनतम तकनीकों को अविलंब किसानों तक पहुंचाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्म एचएचबी-299 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि किसानों को इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सके और उनकी पैदावार में बढ़ोतरी हो सके।

इस कम्पनी के साथ हुआ समझौता

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में शक्ति वर्धक हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग तथा कंपनी की ओर से सहायक निदेशक रजत आर्य ने हस्ताक्षर किए।

विश्वविद्यालय के साथ किसानों को भी होगा फायदा:

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस की फीस अदा करेगी जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा इसके बाद किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज उपलब्ध हो सकेगा।

एचएचबी-299 की खासियत: उपरोक्त किस्म से अन्य किस्मों के मुकाबले अधिक पैदावार मिलती है। यह रोग-रोधी और अधिक लौह युक्त (73 पीपीएम) संकर किस्म है। इसके सिट्टे शंक्वाकार व मध्यम लंबे होते हैं। एचएचबी 299 किस्म 80-82 दिनों में पककर तैयार

हो जाती है। बेहतर देखभाल करने पर 49.0 मन प्रति एकड़ पैदावार देने की क्षमता रखती है। यह किस्म जोगिया रोग रोधी भी है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव, डॉ. विनोद मलिक, बौद्धिक संपदा अधिकार इकाई के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुंजाल, डॉ. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. अनुराग, डॉ. हर्षदीप तथा कंपनी के प्रतिनिधि डॉ. राज बहादुर व डॉ. परमजीत मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	13.1.2026	--	--

हकृवि ने बाजरा की एचएचबी-299 के लिए प्राइवेट सैक्टर की कंपनी के साथ किया समझौता

नभ-छोर न्यूज ▶▶ 13 जनवरी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किए जा रहे उन्नत किस्मों के बीज देश एवं प्रदेश के किसानों तक उपलब्ध करवाने के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए शक्ति वर्धक हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ नॉन एक्सक्लूसिव लाइसेंस एग्रीमेंट किया है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध किसानों तक पहुंचाना विश्वविद्यालय की पहली प्राथमिकता है। शोध कार्यों और नवीनतम तकनीकों को अविलंब किसानों तक पहुंचाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्म एचएचबी-299 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि किसानों को इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सके और उनकी पैदावार में बढ़ोतरी हो सके।

इस कम्पनी के साथ हुआ समझौता : कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में शक्ति वर्धक हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग तथा कंपनी की ओर से सहायक निदेशक रजत आर्य ने हस्ताक्षर किए।

विश्वविद्यालय के साथ किसानों को भी होगा फायदा : समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस की फीस अदा करेगी जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा इसके बाद किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज उपलब्ध हो सकेगा।

एचएचबी-299 की खासियत : उपरोक्त किस्म से अन्य किस्मों के मुकाबले अधिक पैदावार मिलती है। यह रोग-रोधी और अधिक लौह युक्त (73 पीपीएम) संकर किस्म है। इसके सिट्टे शंक्वाकार व मध्यम लंबे होते हैं। एचएचबी 299 किस्म 80-82 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। बेहतर देखभाल करने पर 49.0 मन प्रति एकड़ पैदावार देने की क्षमता रखती है। यह किस्म जोगिया रोग रोधी भी है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव, डॉ. विनोद मलिक, बौद्धिक संपदा अधिकार इकाई के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणु मुंजाल, डॉ. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. अनुराग, डॉ. हर्षदीप तथा कंपनी के प्रतिनिधि डॉ. राज बहादुर व डॉ. परमजीत मौजूद रहे।